श्री बाबोसा भगवान व्रत-विधि

जिस मंगलवार से व्रत प्रारंभ करना हो उस दिन प्रातः घर में स्थापित मंदिर में या मंदिर के बाहर चौकी या पाटा पर लाल वस्त्र बिछा कर श्री बाबोसा भगवान की फोटो अथवा छोटी मूर्ति विराजित करें। यदि घर में मंदिर में पहले से ही श्री बाबोसा भगवान की फोटो अथवा मूर्ति लगी हुई है तो अलग से लगाने की आवश्यकता नहीं है। मूर्ति या फोटो विराजित करते समय इस मंत्र का उच्चारण करें -

विध्न विनाश्क नमो नमः, कष्ट निवारक नमो नमः
जग उद्धारक नमो नमः, बाबोसा देवा नमो नमः

तत्पश्चात् मूर्ति के समक्ष धूप या अगरबत्ती जलायें व दीप प्रज्ज्वलित कर भोग अर्पित करें। भोग में भीगे हुए बादाम, मिश्री, दही, शहद, सूखा मेवा, गंगाजल इत्यादि सात्विक सामग्री अर्पित करें। भोग समर्पित करने के पश्चात् श्री बाबोसा भगवान कथा,चालीसा व आरती का वाचन करें।

अंत में मूर्ति के समक्ष सिर झुका कर श्री बाबोसा भगवान के प्रति आभार ज्ञापित करें।

1. श्री बाबोसा भगवान का व्रत शुक्ल पक्ष के किसी भी मंगलवार से प्रारंभ कर लगातार 11 मंगलवार तक किया जाना चाहिए।
2. व्रत के दिन सिर्फ एक बार, एक स्थान पर बैठ कर अन्न ग्रहण करें। शेष दिन फलाहार अथवा दूध से बनी मिठाईयां ले सकते हैं। सात्विक तरल पेय, जिसमें अन्न का प्रयोग ना हो, इच्छानुसार पी सकते हैं।
3. व्रत के दिन मन को शांत रखें। किसी भी प्रकार के झगड़े व कलह-क्लेश से दूर रहें। घर में शांति रखें क्योंकि श्री बाबोसा भगवान शांति प्रिय देव हैं।
4. व्रत का क्रम पूर्ण होने पर ग्यारहवें मंगलवार को इसका विधिपूर्वक उद्यापन करें। उद्यापन में प्रातः पूजन के पश्चात् कम से कम पांच व्यक्तियों (पारिवारिक सदस्य, सगे-संबंधी, रिश्तेदार, पड़ोसी, मित्र वगैरह) को श्री बाबोसा भगवान की कथा सुनायें।
5. श्री बाबोसा भगवान की व्रत की पुस्तक, आरती, चालीसा, फोटो, भजनों की कैसेट अथवा सी.डी. को उपस्थित भक्तों व अन्य भक्तों के मध्य (कम से कम 11 भक्तों के मध्य) वितरित करें।
6. यह व्रत कोई भी स्त्री - पुरूष व बच्चे कर सकते हैं।
7. व्रत के दिन प्रातः एवं सायं पूजन के पश्चात् 'ॐ बाबोसा' महामंत्र की 11 मालायें फेरें। माला फेरते समय मौन रखें। किसी से वार्तालाप नहीं करें।
8. उद्यापन के अंत में 108 नामों की उर्चना अवश्य करें। इसके लिए छोटा हवन-कुंड प्रज्ज्वलित कर प्रत्येक नाम के उच्चारण के साथ उस हवन कुंड में छोटे चम्मच से घृत की आहुति डालते जायें।
9. उद्यापन के पश्चात् फोटो अथवा मूर्ति को अपने मंदिर में स्थापित कर दें।

श्री बाबोसा भगवान मंगलवार व्रत के लाभ

भक्तों का विश्वास है कि जो भक्त श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक इस व्रत को करता है उस पर श्री बाबोसा भगवान की विशेष कृपा बरसती है। इस व्रत को करनेवाले की हर मनोकामना पूर्ण कर बाबोसा भगवान उसे अपनी शरण प्रदान करते हैं। व्रत करने का उद्देश्य अपना कल्याण या अपनी मनोकामना पूर्ण करने का होना चाहिए। किसी का अनिष्ट सोच कर व्रत नहीं करना चाहिए।

बाबोसा का व्रत दिखाये अपना चमत्कार।
सच्चे मन से जो करता है उसका बेड़ा पार।।

।। श्री बाबोसा चालीसा ।।

बाबोसा तरण-तारण हैं। भक्तों के भगवान।।
चालीसा नित उठ पढ़ूं। करने निज कल्याण।।
पूजनीय श्री बाबोसा का। मंत्राक्षर है नाम।।
उनके पावन नाम से। फलते वांछित काम।।

जय जय बाबोसा उपकारी। भक्तों के हैं पालन हारी।।
बाबोसा प्रभुवर परमेश्वर। बाबोसा देवों के देव।।

बाबोसा पुरूषोत्तम ईश्वर। बाबोसा कुलदीप जिनेश्वर।।
जन्म स्थान है चूरू नगरी। माँ छगनी के नन्दन प्यारे।।

माघशुक्ला पँचमी आई। जन्मे श्री बाबोसा ज्ञानी।।
भाद्रव शुक्ला पंचमी आई। स्वर्ग पधारे बाबोसा ज्ञानी।।

मिंगसर शुक्ला पंचमी आई। हनुमत रूप विराजे ज्ञानी।।
भव-भव भंजक पाप निकंदन। संकटताप विनाशक चंदन।।

भक्त लगाये ध्यान जहां पर।। पहुँचे बाबोसा आप वहां पर।।
अक्षर अतुल शक्ति के स्वामी। घट-घट के हो अंतर्यामी।।

बाबोसा के हम अनुयायी। दर्शन दो बाबोसा सुखदायी।।
भक्तजनों के भाग्य संवारे। कोठारी कुलदीप कहाए।

भव-भव की सब पीड़ मिटाते। ज्ञान-भक्ति के दीप जलाते।।
जाप तुम्हारा भूत भगाता। ऊपर की सब छांव मिटाता।।

अमृतवाणी का पान कराया। लाखों जन को तृप्त बनाया।।
देव वाणी का शंख बजाया। जन्म-जन्म का रोग मिटाया।।

चूरू में सब रंग लगाया। भक्तों का उद्धार कराया।।
मंगलकारी जाप तुम्हारा। भक्तों को मिल जाये किनारा।।
पावन दर्शन देव तुम्हारा। मंजु का है भाग्य-सहारा।।
बजरंगी का लाल कहाए। है यह सचमुच सच्चा पन्ना।।
नाम तुम्हारा शुभ फल दाता। भूत-प्रेत भय दूर भगाता।।
अंतर्यामी शिवपथ गामी। चार तीर्थ के सच्चे स्वामी।।
बालाजी के हो अवतारी। भक्तों के हो संकट हारी।।
स्वर्गलोक में बिगुल बजाया। भक्तों को दर्शन दिखलाया।।
सुधा तुल्य है तेरी वाणी। सुन हर्षित होते नर-नारी।।
तेरी करूणा यदि हो जाए। अंधा देखे, गूंगा गाए।।
बिन पानी के नाव चलाए। आंधी में भी ज्योत जलाए।।
हम सब हैं तेरी फुलवारी। तू है इस बगिया का माली।
तेरी महिमा सबसे न्यारी। तूँ है प्रभु, बाल ब्रह्मचारी।।
तुझ को हर पल याद करे जो। उसका पालन हार बने तू।
जो तेरी जयकार लगाए। उसका बेड़ा पार लगाए।।
भक्तों को एक डोर में लाए। प्रेम-भाव का श्रोत बहाए।।
श्री बालाजी का रूप कहाए। बजरंगी के मन को भाए।।
बाबोसा हैं घट-घट ज्ञाता। भक्तों के हैं भाग्य-विधाता।।
इन चरणों में मन रम जाए। यमराज फिर निकट न आए।।
बाबोसा रूं रूं बस जाये। उसके पाप प्रलय हो जाये।।
लीले की असवारी करता। भक्तों के दुःख पल में हरता।।
ताँती शुभ है, जल है पावन। और भभूत है कष्ट निवारण।।
चालीसा यह भाग्य विधाता। जन-जन को है यह सुखदाता।।
जीवन-धन बनता संस्कारी। स्थिर-मन पाठ करो नर-नारी।।

श्री बाबोसा कथा

कथा सुनाऊं भक्तों श्री बाबोसा भगवान की,
जय हो चूरूधाम की जय बोलो

राजस्थान वीर भूमि में, चूरू शहर है प्यारा
नाम चमकता, घेवर चंद का, नभ में ज्यों ध्रुवतारा

जीवन साथी छगनी बाई का परिवार है न्यारा
माघ सुदी, पंचम का शुभ दिन, चमका एक सितारा
जय हो मां छगनी की, और जय छगनी के लाल की
जय हो चूरू धाम की...

जन्म हुआ बाबोसा का तो, घर-घर खुशियां छाई
गले मिल रहे, नगर निवासी, देते सभी बधाई
बाला जी अवतार हुआ है, बांटो आज मिठाई
धन्य हुई है चूरू नगरी, पुण्य घड़ी यह आई
लेते सभी बलायें, उस बालक के मुस्कान की
जय हो चूरू धाम की.....

कुछ वर्षों में ही सबके, दिल पर है राज जमाया
इतने में ही, भाद्रव शुक्ला पंचम का दिन आया
स्वर्ग पधारे बाबोसा तो स्वर्ग लोक हर्षाया
बाबासो के स्वागत में, देवों ने मंगल गाया
तीनों लोकों गूंजी, आवाजें मंगल गान की
जय हो चूरू धाम की ....

मिंगसर शुक्ला पंचम का वह पावन दिन भी आया
बजरंगी ने बाबोसा को अपने पास बिठाया
सभी रह गये दंग अनोखा चमत्कार दिखलाया
अपनी शक्ति बाबोसा को, देकर यह फरमाया
तुम्हें ही चिंता करनी, अब भक्तों के कल्याण की
जय हो चूरू धाम की.....

तीन पंचमी, शुक्ल पक्ष की, बाबोसा की न्यारी
पंचम के दिन, दर्शन करने की महिमा है भारी
पंचम के दिन दर्शन करने आते जो नर-नारी
उनकी विपदा बाबोसा ने पल भर में है टारी
सारे भक्तों बोलो, जय पंचम तिथि महान की
जय हो चूरू धाम की ...

कष्ट निवारे, जल के छींटे बाबोसा की भभूति
रक्षा करती, तांती हर पल, बाधा दूर है होती
चमत्कार दिखलाती हर क्षण, बाबोसा की ज्योति
जिसने भी अरदास लगाई सफल कामना होती
जल, भभूति और तांती, बाबोसा का वरदान जी
जय हो चूरू धाम की ...

भूत-प्रेत की बाधायें तो, छू-मंतर हो जाती
नाम सुने जब बाबोसा का, वो नहीं टिकने पाती
'ॐ बाबोसा' नाम जपे तो घर में खुशिया आतीं
दु:ख में सुख में, हर मौसम में, है ये सच्चा साथी
बड़ी है महिमा भक्तों, इस 'ॐ बाबोसा' नाम की
जय हो चूरू धाम की ...

मन में ले विश्वास अगर जो चूरू धाम है जाता
बाबोसा के मंदिर में, फिर नारियल बांध के आता
मनोकामना होती पूरी जो मांगे वो पाता
बाबोसा से, जुड़ जाता है, फिर जन्मों का नाता
भंडारे खुल जाते, ना फिकर रहे फिर दाम की
जय हो चूरू धाम की ...

किन नामों से, तुम्हें पुकारूं नाम तेरे बहुतेरे
तुम ही ब्रह्मा, तुम ही विष्णु, तुम ही शंकर मेरे
सारी दुनिया छोड़ के तेरे, दर पे डाले डेरे
नाम तुम्हारा, रटते जाऊं, मैं तो सांझ सबेरे
देवों ने भी पूजा, क्या बात करें इंसान की
जय हो चूरू धाम की...

गांव-गांव और शहर-शहर में, मंदिर बनते जाते
बाबोसा के दर्शन करने, लाखों भक्त हैं आते,
अपने घर में बाबोसा के मंदिर जो बनवाते
धन-दौलत के साथ-साथ वो मन की शांति पाते
घर-घर होड़ लगी है, अब मंदिर के निर्माण की
जय हो चूरू धाम की ...

आया संकट, भक्तों पर तो, पैदल यात्रा कर दी
वर्षों से संतान नहीं थी, गोद वो सूनी भर दी
भाग्यहीन के हाथों में किस्मत की चाबी धर दी
नहीं किसी को खाली भेजा, झोली सबकी भर दी
दुर्घटना को टाला और रक्षा कर ली प्राण की
जय हो चूरू धाम की ...

चूरू के मंदिर की भक्तों, महिमा है अति भारी
बजरंगी और बाबोसा की जोड़ी सोहे प्यारी

एक साथ हैं वहां बिराजे दो-दो घोटाधारी
कैसी भी हो शक्ति बाबोसा के आगे हारी
थर-थर वो थर्राता, ना चले किसी शैतान की
जय हो चूरू धाम की...

जिस घर में बाबोसा की, तस्वीर लगाई जाती
श्रद्धा और विश्वास से पावन जोत जलाई जाती
सुबह शाम फिर बाबोसा की आरती गाई जाती
सुख, शांति, शुभ-लाभ वहां पर रिद्धि-सिद्धि आती
बाबोसा की महिमा का कितना करूं बखान जी
जय हो चूरू धाम की ....

विध्न विनाशक हैं बाबोसा पल-पल मंगलकारी
शरणागत की रक्षा करते बाबोसा बलकारी
भक्तों के घर आ जाते हैं भक्तों के हितकारी
कल्याणी है, अमृतवाणी बाबोसा उपकारी
नहीं है कोई सीमा बाबोसा के गुणगान की
जय हो चूरू धाम की ...

बाबोसा ने भक्तों को, एक चमत्कार दिखलाया
मंजु बाईसा में, शक्ति का अहसास कराया
मंजु बाईसा में बाबोसा का वो रूप समाया
जिसे देखने भक्तों का रेले पर रेला आया
जिसने रूप निहारा, वो तो हो गया निहाल जी
जय हो चूरू धाम की ...

दुनिया में बाबोसा का गुणगान जहां पर होगा
महासाधिका मंजु का भी नाम वहां पर होगा
जहां ये दोनों हैं, निश्चित कल्याण वहां पर होगा
सुख, समृद्धि, शांति का वरदान वहां पर होगा।
बाबोसा और मंजु, एक दूजे की पहचान जी
जय हो चूरू धाम की ...

देव चमत्कारी बाबोसा चमत्कार दिखलाते
बाबोसा के चमत्कार से दंग सभी रह जाते
आपद-विपदा काटे पल में, संकट दूर भगाते
कष्ट मिटा कर, भक्तों के जीवन में खुशिया लाते

बाबोसा के दर पे, तो खुशियां मिले जहान की
जय हो चूरू धाम की ...
किस्से इतने चमत्कार के क्या-क्या मैं बतलाऊं
एक जुबां और लाखों किस्से, कैसे मैं कह पाऊं
भूल न जाऊं कोई किस्सा सोच के ये घबराऊं
इससे तो अच्छा ये होगा, मैं चुप ही रह जाऊं
मुझको आज्ञा दीजै, अब बारी है विश्राम की
जय हो चूरू धाम की ...

श्री बाबोसा भगवान की श्रृंगारिक आरती

देवा बाबोसा चूरू वाले, भक्तों के हैं रखवाले,
रिमझिम उतारें तेरी आरती, बाबोसा रिमझिम उतारें तेरी आरती
देवा बाबोसा.....
सिर पर मुकुट, कान में कुंडल, हाथ में घोटा साजे,
जगमग जगमग रूप निराला, भूत-प्रेत सब भागे
जय हो, माता छगनी के लाले, कोठारी कुल उजियारे
रिमझिम उतारें तेरी आरती, बाबोसा रिमझिम उतारें तेरी आरती
देवा बाबोसा.....
बाला जी ने राज तिलक कर अपने पास बिठाया,
मिंगसर पांचू भरे है मेला, भक्तों के मन भाया,
सबके मन को हर्षाने वाले, विपदा मिटाने वाले,
रिमझिम उतारें तेरी आरती, बाबोसा रिमझिम उतारें तेरी आरती
देवा बाबोसा.....
तुम्हीं से मांगें धन और दौलत, तुम्हीं से चांदी सोना,
छप्पर फाड़ के देना बाबोसा, भर देना कोना-कोना,
सबकी लाज बचाने वाले, अन्न-धन बरसाने वाले,
रिमझिम उतारें तेरी आरती, बाबोसा रिमझिम उतारें तेरी आरती
देवा बाबोसा.....
भक्तिभाव से करें आरती, तेरे सारे पुजारी,
मन-दर्पण में बसो बाबोसा, कलयुग के अवतारी,
तेरा, मंजु देवी गुण गाये, 'गोपाला', शीष झुकाये,
रिमझिम उतारें तेरी आरती, बाबोसा रिमझिम उतारें तेरी आरती,
देवा बाबोसा.....

श्री बाबोसा भगवान की आरती

ॐ जय देव दयाकारी, ओ बाबोसा आप दयाकारी
भक्ति भाव शतवन्दन-२, थे हो उपकारी,
ॐ जय देव दयाकारी।
मात-पिता तुम मेरे दाता शरण पडूं मैं थांरी-२ ओ देवा ..
शरणागत पत राखो, विनती सुनो सा म्हारी
ॐ जय देव दयाकारी।
माहशुक्ला पंचमी न जन्म्या कोठारी कुल वंश में-२, ओ देवा
बाजत ढोल ढमाका और बाजत डमरू
ॐ जय देव दयाकारी।
भादवा शुक्ला पंचमी न आत्मशांति पाई-२, ओ देवा
मुक्त हुवे चूरू में-२ देव शक्ति पाई,
ॐ जय देव दयाकारी।
मिंगसर शुक्ला पंचमी न, राजतिलक थांरो- २, ओ देवा
हनुमत रूप विराजे-२, चूरू धाम थांरो,
ॐ जय देव दयाकारी।
विध्न विनाशक नाम तिहारो, भूत प्रेत हारी-२, ओ देवा
कष्ट कटे संकट मिट जावे-२, सुख सम्पत्ति पावे
ॐ जय देव दयाकारी।
श्री घेवर चन्द सा पिता आपका, माता छगनी का चाँद चमत्कारी-२, ओ देवा
भक्त जनन न त्यारा-२ म्हें सब गुण गांवा
ॐ जय देव दयाकारी।
तन-मन-धन सब कुछ है तेरा-२, ओ देवा
तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मोरा
ॐ जय देव दयाकारी।
श्री बाबोसा की आरती, जो कोई नर गावे ओ देवा.
कहती हैं मंजु बाईसा, सुख संपत्ति पावे
ऊँ जय देव दयाकारी

ॐ बाबोसा अष्टोत्तर शत् नामावली स्तोत्रम्

(108 नामों की अर्चना)

(1) ओंकाराय नमः
(2) ॐ बाबोसा देवाय नमः
(3) ॐ पन्नाय नमः
(4) ॐ छगनी सुताय नमः
(5) ॐ चूरू निवासाय नमः
(6) ॐ गदाधराय नमः
(7) ॐ कृपाकराय नमः
(8) ॐ ब्रह्मचारिण नमः
(9) ॐ कुमाराय नमः
(10) ॐ धेवरचंद नंदनाय नमः
(11) ॐ रोगनाशनाय नमः
(12) ॐ हनुमत् रूपाय नमः
(13) ॐ हनुमत् प्रियाय नमः
(14) ॐ जीवन दात्रे नमः
(15) ॐ मृत्यु हराय नमः
(16) ॐ जयाय नमः
(17) ॐ विजयाय नमः
(18) ॐ भक्त मनः स्थिताय नमः
(19) ॐ कष्ट हराय नमः
(20) ॐ संकट विमोचनाय नमः
(21) ॐ शान्ति दूताय नमः
(22) ॐ बाला रूपाय नमः
(23) ॐ महाबलाय नमः
(24) ॐ वरदाय नमः
(25) ॐ कलियुग वरदाय नमः
(26) ॐ भक्त इष्ट देवता रूपाय नमः
(27) ॐ भक्त कुल देवता रूपाय नमः
(28) ॐ तपस्फलाय नमः
(29) ॐ कोठारी कुल दीपाय नमः
(30) ॐ हनुमत् नाम जपकराय नमः
(31) ॐ हनुमत् हृदय स्थिताय नमः
(32) ॐ नीलवर्ण अश्वारूढ़ाय नमः
(33) ॐ प्रत्यक्ष देवताय नमः
(34) ॐ वंश वृद्धिकराय नमः
(35) ॐ सौभाग्य दात्रे नमः
(36) ॐ दुर्भाग्य नाशनाय नमः
(37) ॐ सुख समृद्धि प्रदायकाय नमः
(38) ॐ जन्मान्तर ऋण विमोचनाय नमः
(39) ॐ सौम्य मूर्तिने नमः
(40) ॐ शान्ति स्वरूपाय नमः
(41) ॐ ज्योति स्वरूपाय नमः
(42) ॐ भक्त वत्सलाय नमः
(43) ॐ लोक नायकाय नमः
(44) ॐ लोक रक्षकाय नमः
(45) ॐ भय नाशनाय नमः
(46) ॐ तन्त्र शक्ति हरायकाय नमः
(47) ॐ भूत प्रेत पिशाच नाशनाय नमः
(48) ॐ स्वर्ण मुकुट धारणाय नमः
(49) ॐ कर्ण कुण्डल धारणाय नमः
(50) ॐ आत्म शुद्धाय नमः
(51) ॐ काम क्रोध नाशनाय नमः
(52) ॐ मातृ पितृ भक्ताय नमः
(53) ॐ कालान्तकाय नमः
(54) ॐ कालहराय नमः
(55) ॐ कारागृह विमोक्त्रे नमः
(56) ॐ चिरंजीविने नमः
(57) ॐ उज्ज्वलाय नमः
(58) ॐ कीर्तये नमः
(59) ॐ भक्त मान संरक्षणाय नमः
(60) ॐ शरणागत रक्षकाय नमः
(61) ॐ त्रैलोक्य अधिपतये नमः
(62) ॐ सर्व देव स्वरूपाय नमः
(63) ॐ बुद्धि दात्रे नमः
(64) ॐ रिद्धि सिद्धि दात्रे नमः
(65) ॐ विद्या दात्रे नमः
(66) ॐ शान्ति दात्रे नमः
(67) ॐ योग मूर्तये नमः
(68) ॐ धर्म रक्षकाय नमः
(69) ॐ महावीराय नमः
(70) ॐ मार्ग बंधवे नमः
(71) ॐ मार्ग दर्शकाय नमः
(72) ॐ दुर्विचार नाशनाय नमः
(73) ॐ सद्गति प्रदाय नमः
(74) ॐ अतुल्याय नमः
(75) ॐ जितेन्द्रियाय नमः
(76) ॐ प्रसादाय नमः
(77) ॐ दुष्ट ग्रह निहन्त्रे नमः
(78) ॐ पिशाच ग्रह घातकाय नमः
(79) ॐ बाल ग्रह विनाशाय नमः
(80) ॐ शाकिनी डाकिनी यक्ष रक्षा भूत प्रपंचनाय नमः
(81) ॐ पुरूषोत्तमाय नमः
(82) ॐ सर्वभौमाय नमः
(83) ॐ उत्तम श्री परिवाराय नमः
(84) ॐ राम चरित्र भजनाय नमः
(85) ॐ अपार करूणामूर्तये नमः
(86) ॐ धैर्य प्रदायकाय नमः
(87) ॐ सूर्य कोटिप्रकाशाय नमः
(88) ॐ मंगलम प्रदायकाय नमः
(89) ॐ माया निकृत्तकाय नमः
(90) ॐ अभस्मराय नमः
(91) ॐ ज्ञान विग्रहाय नमः
(92) ॐ एकाय नमः
(93) ॐ अनेकाय नमः
(94) ॐ गुणाय नमः
(95) ॐ गुण निधवे नमः
(96) ॐ जगत् गुरूवे नमः
(97) ॐ दिव्य औषधि बसाय नमः
(98) ॐ शोकहारिणे नमः
(99) ॐ मिष्ठान्नप्रियाय नमः
(100) ॐ बलभुजे नमः
(101) ॐ सन्मार्ग स्थापित नमः
(102) ॐ कीर्तन प्रियाय नमः
(103) ॐ सच्चिदानंदाय नमः
(104) ॐ भस्मरूपेण औषधि प्रदाय नमः
(105) ॐ जल रूपेण व्याधि निवृत्तकाय नमः
(106) ॐ मंजु हृदया स्थिताय नमः
(107) ॐ प्रकाश गृहस्थिताय नमः
(108) ॐ मोक्ष दात्रे नमः

ॐ बाबोसा देवाय नमः नानविद मंत्र पुष्णाणि समर्पयामि